प्रेस विज्ञप्ति

लोक भवन, राँची

दिनांक : 12 फरवरी, 2026 :-

(1) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज ऑड्रे हाउस, राँची में आयोजित "CMS VATAVARAN रांची ट्रैवलिंग फिल्म फेस्टिवल" का उद्घाटन समारोह के अवसर पर कहा कि "Roots & Renewal: Indigenous Knowledge, Youth Voices, Planetary Stewardship" विषय अत्यंत सार्थक एवं समयानुकूल है। उन्होंने कहा कि अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए ही हम पृथ्वी के भविष्य को सुरक्षित रख सकते हैं तथा पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप देना समय की आवश्यकता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि फिल्में केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का सशक्त साधन हैं। दृश्य-श्रव्य माध्यम का प्रभाव अत्यंत गहरा होता है। जब पर्यावरण जैसे गंभीर विषयों को संवेदनशीलता और रचनात्मकता के साथ प्रस्तुत किया जाता है, तो वे समाज के मन-मस्तिष्क पर स्थायी प्रभाव छोड़ते हैं। उन्होंने झारखण्ड की जनजातीय परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यहाँ की जीवन-पद्धति प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती

है। जैव-विविधता के संरक्षण की भावना हमारी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा रही है। इन परंपरागत ज्ञान प्रणालियों का संरक्षण एवं प्रलेखन आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी उनसे प्रेरणा ले सकें।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। राज्य का बड़ा भू-भाग वनाच्छादित है, जो पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही खनिज संपदा भी राज्य की अर्थव्यवस्था का एक आधार है। ऐसे में विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। सतत विकास की अवधारणा इसी संतुलन पर आधारित है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा "Mission LiFE – Lifestyle for Environment" के माध्यम से प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया है। "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" का मंत्र सतत विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन के वाहक बनें।

उन्होंने इस आयोजन से जुड़े सभी आयोजकों, सहयोगी संस्थानों एवं प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देते हुए

विश्वास व्यक्त किया कि यह फिल्म फेस्टिवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में जन-जागरूकता का प्रभावी मंच सिद्ध होगा।

---

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज लोक भवन, राँची में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के उत्कृष्ट स्वयंसेवकों से संवाद स्थापित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों की उपलब्धियाँ पूरे राज्य के लिए गौरव का विषय हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि कुछ स्वयंसेवकों को भारत की माननीया राष्ट्रपति महोदया द्वारा सम्मानित होने का अवसर प्राप्त हुआ है, कुछ ने नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2026 में झारखण्ड का प्रतिनिधित्व किया तथा कुछ गणतंत्र दिवस एवं स्वतंत्रता दिवस समारोह में अतिथि के रूप में सहभागी रहे। यह उनकी प्रतिबद्धता, अनुशासन और सेवा-भाव का प्रमाण है।

राज्यपाल महोदय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि झारखण्ड के स्वयंसेवकों को 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग-2026' में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त

हुआ। यह न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि राज्य के लिए भी सम्मान की बात है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल मंत्र "स्वयं से पहले समाज", युवाओं को सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से जोड़ता है। स्वच्छता अभियान, रक्तदान शिविर, पर्यावरण संरक्षण, ग्राम विकास, आपदा राहत एवं सामाजिक जागरूकता जैसे क्षेत्रों में NSS स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका सराहनीय है। उन्होंने लोक भवन में स्वामी विवेकानन्द जी की जयंती पर आयोजित रक्तदान शिविर में स्वयंसेवकों की सहभागिता की सराहना की।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि गणतंत्र दिवस परेड शिविर में चयन अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक है। उन्होंने इस अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय बैंड प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले झारखण्ड के विद्यार्थियों को भी बधाई दी। विदित हो कि पाइप बैंड प्रतियोगिता (बालिका वर्ग) में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कांके तथा (बालक वर्ग) में कैराली स्कूल, सेक्टर-2 के विजेता बनने एवं ब्रास बैंड (बालक वर्ग) में संत जेवियर हाई स्कूल, लुपुंगुटू, चाईबासा द्वारा तृतीय स्थान प्राप्त करने को राज्य के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

राज्यपाल महोदय ने स्वयंसेवकों से अपेक्षा की कि यह सम्मान उनके भीतर और अधिक जिम्मेदारी की भावना उत्पन्न करे तथा वे समाज और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाते रहें। उन्होंने स्वामी विवेकानन्द जी के प्रेरक वाक्य– "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए", का उल्लेख करते हुए युवाओं को निरंतर प्रयास और उत्कृष्टता की ओर अग्रसर रहने का संदेश दिया।

राज्यपाल महोदय ने स्वयंसेवकों को सम्मानित किया तथा सभी स्वयंसेवकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

(3) माननीय राज्यपाल महोदय के निदेश पर आम नागरिकों के भ्रमण एवं परिदर्शन हेतु खोले गए लोक भवन, राँची उद्यान में आज 20,110 लोगों ने उद्यान का भ्रमण एवं परिदर्शन किया। अभी तक कुल 538766 लोगों ने लोक भवन उद्यान का भ्रमण एवं परिदर्शन किया।

विदित हो कि माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा लोक भवन, राँची उद्यान को आम नागरिकों के लिए 15 फरवरी, 2026 तक खुला रखने हेतु निदेश दिया गया है।

उद्यान भ्रमण का समय प्रतिदिन पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक निर्धारित है। लोक भवन उद्यान का भ्रमण करने के इच्छुक व्यक्ति लोक भवन के गेट संख्या-2 से सुरक्षा जाँचोपरांत अपराह्न 1 बजे तक आ सकते हैं।

(4) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज लोक भवन, राँची में आयोजित कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम 2025-26 के अंतर्गत “वतन को जानो” कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग, कुपवाड़ा, बारामुल्ला, बडगाम, श्रीनगर एवं पुलवामा जिलों से आए प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत विविधताओं का देश है, परंतु हमारी आत्मा एक है। भाषा, वेशभूषा और परंपराओं की भिन्नता के बावजूद राष्ट्रीय एकता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। ऐसे कार्यक्रम आपसी संवाद, विश्वास और समझ को प्रगाढ़ करते हैं तथा भावनात्मक एकता को सुदृढ़ बनाते हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के शब्दों का उल्लेख करते हुए कहा कि कश्मीर भारत का किरीट है और उसकी सांस्कृतिक समृद्धि, प्राकृतिक भव्यता एवं आध्यात्मिक चेतना राष्ट्र की पहचान है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर अपनी अनुपम प्राकृतिक सुंदरता एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के कारण ‘पृथ्वी का स्वर्ग’ कहलाता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि भारत ने सदैव शांति, संयम और संवाद का मार्ग अपनाया है। “वसुधैव कुटुम्बकम्” की भावना हमारी संस्कृति का मूल है। उन्होंने कहा कि

यह भी सत्य है कि समय-समय पर हमारे पड़ोसी राष्ट्र ने नापाक इरादों से इस क्षेत्र में अशांति फैलाने का भी प्रयास किया है। लेकिन जब भी राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता को चुनौती दी गई एवं हमला हुआ, हमने उसका मुंहतोड़ जवाब भी दिया है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में विकास और समान अवसरों का नया अध्याय प्रारंभ हुआ है। अनुच्छेद 370 हटने के पश्चात वहाँ विकास की नई संभावनाएँ सृजित हुई हैं।

राज्यपाल महोदय ने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा, कौशल, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति को अपने जीवन का आधार बनाएं तथा 'विकसित भारत@2047' के संकल्प को साकार करने में सक्रिय भूमिका निभाएँ। उन्होंने झारखण्ड की समृद्ध जनजातीय परंपराओं, सरहुल, करमा और सोहराय जैसे प्रकृति-आधारित पर्वों का उल्लेख करते हुए कहा कि झारखण्ड अपनी सांस्कृतिक विविधता और युवा ऊर्जा के कारण विशेष पहचान रखते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रवास युवाओं के दृष्टिकोण को व्यापक बनाएगा तथा वे यहाँ से सौहार्द, भाईचारे और राष्ट्रीय एकता का सकारात्मक संदेश लेकर लौटेंगे।

राज्यपाल महोदय ने लोक भवन, राँची उद्यान का भी उल्लेख करते हुए कहा कि यहाँ 100 से अधिक प्रजातियों

के गुलाब सहित अनेक दुर्लभ वृक्ष एवं पौधे हैं, जो आकर्षण का केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि लोक भवन उद्यान को आम नागरिकों के भ्रमण हेतु खोला गया है तथा अब तक पाँच लाख से अधिक लोग उद्यान का भ्रमण कर चुके हैं। उन्होंने युवाओं से लोक भवन उद्यान का भी अवलोकन करने हेतु कहा।